Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)

The Asian Thinker

A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities

Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

6. छत्तीसगढ़ में पर्यटन उद्योग की संभावनाएं एवं मीडिया की भूमिका

रेशमी

शोधार्थी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई, छ.ग.

मोबा.-7000696756

ई-मेल- sahureshmee43@gmail.com

शोध सार

छत्तीसगढ़ पर्यटन ने मध्य प्रदेश विभाजन के बाद 1 नवंबर सन 2000 के बाद से प्रगति की है पर्यटकों के आवागमन में छत्तीसगढ़ अपना महत्वपूर्ण हिस्सा दे रहा है आज पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग बन गया है. यहाँ पहले कछुआ चाल की आपेक्षा अब विकास की ओर अग्रसर हो रहा है, इस सभी कार्य को आगे बढ़ाने के लिए मीडिया की हम भूमिका रही है. आज हर पर्यटन के क्षेत्र जैसेः- ऐतिहासिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और भौगोलिक सीमाओं से संबंधित खबरों को मीडिया प्रकाशित कर रही है, जिससे माध्यम से पाठक वर्ग पर्यटन के लिए अपनी उत्सुकता को दिखा रहा है और बड़े हर्ष से पर्यटन के लिए अपने कुछ कीमती समय को निकाल कर सुकून भरे जीवन जीने के लिए शौक रखता है और शांतिपूर्ण जीवन उसे पर्यटन के दौरान वह उस समय को व्यतीत करता है. वर्तमान में पर्यटन में जाने के लिए लोगों की पसंदीदा स्थान आज जोरो में शोरों से चलन में आ गया है. आज पूरी दुनिया पर्यटन पर जाने का विचार अपने मन में रखता है और अपने काम-काज से समय निकालकर यात्रा में जाना चाहता है कुछ सुकून भरे दिन को जीना चाहता है ,अपना समय बहुत अच्छे से बिताना चाहता है. सिर्फ छत्तीसगढ़ में ही पर्यटन का नशा नहीं है बल्कि पूरी दुनिया में पर्यटन व यात्रा में जाने का नशा आज अपने चरम पर है आज मीडिया के माध्यम से सभी जगह प्रचार-प्रसार हो रहे हैं, जिससे पर्यटक उस स्थान पर जाने को आकर्षित होते हैं और वहां उसे स्थान में जाने को अपनी उत्सुकता दिखाते हैं.

शोध की – वर्ड : पर्यटन, उद्योग, अर्थव्यवस्था, छत्तीसगढ़ में उद्योग की संभावनाएं, मीडिया का योगदान.

प्रस्तावना:

भारत के मध्य भूमि से घिरा छत्तीसगढ़ स्वयं एक राज्य है जिसे हम “धान के कटोरा”के नाम से भी जानते हैं, यहाँ की राजधानी नया रायपुर है, और यहां वर्तमान में 33 जिला हैं। यहाँ इतनी अच्छी भौगोलिक, सामाजिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विविधता देखने को मिलती है. इसके साथ ही लहलहाते खेत, पर्वत, पहाड़, खुबसूरत बर्फीली जमीन, गर्म भूमि, नदी, नाहर, बहुत सुन्दर झरने (वाटरफ़ाल), जल प्रपात, प्राचीन गुफाएँ, घने वन एवं जंगल, उद्यान, प्रकृति की

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

रोमांचक परिवेश यह सभी कुछ पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता हैं. ऐसे अनेक सुन्दर नज़ारे और स्थल हमारे छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित है, जो हमें देखने को मिलती है.

आज पर्यटन आपके मन बदलाव या तीर्थाटन का साधन नहीं रह गया है. यह एक महत्वपूर्ण व्यवसाय और उद्योग बन गया है. इससे बड़ी मात्रा में राज्य को विदेशी मुद्रा की कमाई होती है और लाखों लोगों को तरह-तरह का रोजगार मिलता है. परिस्थिति अब यह हो गई है कि अब छोटे बड़े सभी राज्य अधिक से अधिक विदेशी सैलानियों को अपने यहां बुलाने के लिए दुनिया भर के अखबारों में, समाचार पत्र, पत्रिकओं, वेब पोर्टलों, रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट और विज्ञापनों पर पानी की तरह पैसा बहाते हैं ताकि लोगों को अपने राज्य के पर्यटन के बारे में जानकारी दे सके और विदेशी सैलानी राज्य के प्रति अपनी पर्यटन के लिए उत्सुकता को दिखाएं और हमारे यहां ज्यादा मात्रा में पर्यटन के लिए आकर्षित हो.

छत्तीसगढ़ में कुल तीन राष्ट्रीय उद्यान है- इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान जिसका कुल क्षेत्रफल 2929 वर्ग किलोमीटर तथा अभ्यारणों का कुल क्षेत्रफल 3577 वर्ग किलोमीटर है, जो की इन दोनों का सम्मिलित क्षेत्रफल 6506 वर्ग किलोमीटर है, जो राज्य के कुल क्षेत्रफल (135191 वर्ग किलोमीटर) का 4.81 प्रतिशत है. यह राज्य के कुल वन क्षेत्र (59772 वर्ग किलोमीटर) का 10.88 प्रतिशत है, जो छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का आधार स्तंभ के रूप में है.

राज्य की भूमिका

7 अक्टूबर 2021 को राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ में भगवान श्री राम के वनवास काल से जुड़ी ऐतिहासिक स्थलों को वैश्विक स्थल पर विकसित करने के लिए प्रारंभ की गई है. इस पर्यटन परिपथ के माध्यम से राज्य में न केवल ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि पर्यटन के नए वैश्विक अवसर बढ़ेंगे. पर्यटन नीति एवं राम वन गमन परिपथ योजना मिशन के अंतर्गत यात्रा व गंतव्य स्थल की स्थापना सराहनीय है.

आज हम यह दखते है की छत्तीसगढ़ में पर्यटन का अत्यधिक महत्व बढ़ गया है. साथ ही हम देखते हैं कि पर्यटन न सिर्फ छत्तीसगढ़ के अर्थव्यवस्था में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है बल्कि सामान्य जीवन के अनेकों क्षेत्र में आज आगंतुक ने काफी विकास किया है. जिसके कारण पर्यटन आज छत्तीसगढ़ का एक बड़ा उद्योग बनकर स्थापित हुआ है. यही नहीं छत्तीसगढ़ राज्य के कई ऐसे क्षेत्र जो पर्यटन के आय का एक मुख्य स्रोत बन गया है, यह राज्य के राजस्व में बढ़ोतरी करता है तथा अपनी बुनियादी एवं संरचना और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए राज्य की पर्यटन अर्थव्यवस्था के राजस्व में वृद्धि करता है. साथ ही देश की बुनियादी ढांचे को विकसित भी करता है. पर्यटन से सम्बंधित ख़बरों को जब प्रसारित करता है तब हजारों रोजगार के अवसर उत्पन्न करता है तथा विदेशी

The Asian Thinker

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

पर्यटकों और नागरिकों के बीच वैश्विक, संस्कृतियों एवं भाषाओं का आदान-प्रदान करने की सामंजस्यता भी बैठाता है और इतना ही नहीं छत्तीसगढ़ की नई पीढ़ियों को अपने इतिहास से भी अवगत कराता है।

आज छत्तीसगढ़ भारत का 26 वां राज्य होने के नाते ऐसा राज्य बन चुका है जो की यहां के पर्यटन क्षेत्र को विश्व धरोहरों में शामिल करने की चर्चा आज जोरों पर है और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आज छत्तीसगढ़ राज्य अपने स्तर पर बहुत ही अच्छी भूमिका निभा रही है। विश्व धरोहर में हम छत्तीसगढ़ के ऐसे विभिन्न क्षेत्रो को शामिल कर सकते हैं जो अभी तक नहीं किया गया है क्योंकि जब राष्ट्र और राज्य से अलग-अलग पर्यटकों का आना-जाना होता है तो वह जगह आकर्षण का केंद्र बन जाता है और इस जगह को हम विश्व धरोहर के रूप में देखते हैं यहां न सिर्फ ऐसे क्षेत्र हैं बल्कि सांस्कृतिक विरासत स्थल, प्राकृतिक विरासत स्थल एवं पारंपरिक, धार्मिक स्थल भी देखने को मिलता है। पर्यटन किसी भी देश की आर्थिक स्थिति आर्थिक वृद्धि को कई गुना बढ़ाने की क्षमता रखता है और यहां तक की कितने ऐसे देश हैं जिनका मुख्य आय का कारण ही पर्यटन उद्योग है।

पर्यटन एक ऐसी घटना एवं संबंधों का मिश्रण है जो किसी स्थान पर निवासियों की यात्रा और उनके ठहरने से उत्पन्न होता है तथा इसके अंतर्गत व्यक्ति उसे स्थान पर ना तो स्थाई रूप से बसता है और ना धन कमाने के लिए कोई कार्य करता है वह तो यात्रा का आनंद उठाता है यही पर्यटन है। पर्यटन के लिए लोग विभिन्न भागों में आयोजित मेले, प्रदर्शनियों तथा त्योहारों में बड़ी मात्रा में आना जाना करते हैं और भाग भी लेते हैं, इसी पृष्ठभूमि में हमारे यहां अतिथि देवो भव की परंपरा विकसित हुई है और यही हमारी सामाजिक व्यवहार का अभिन्न हिस्सा बन गई है.

आज दुनिया भर में रोजगार पैदा करने वाला पर्यटन एक विशेष महत्वपूर्ण विषय बन गया है वर्तमान में पर्यटन राज्य, राष्ट्रिय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक विकास का एक संसाधन बन चुका है सरकारी नीतियां पर्यटन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न कृतिम और भौतिक पर्यटन स्थल निर्मित किये जाने लगे हैं. रोजगार उपलब्ध करने में सहायक होती जा रही है. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप में पर्यटन की हिस्सेदारी से राज्य की आर्थिक (पूंजी) में बढ़ोतरी की सम्भावना बढती जा रही है. राज्य में और विशेषकर दूर-दराज के और पिछड़े क्षेत्रों में आर्थिक विकास और रोजगार उपलब्धि का आज महत्त्वपूर्ण साधन बन गया है.

पर्यटन के लिहाज से छत्तीसगढ़ प्रदेश में समुद्र एवं रेगिस्तान को छोड़कर यहां सब कुछ है प्रदेश में एक तरफ जहां सिरपुर का प्राचीन मंदिर एवं बस्तर का दशहरा विश्व प्रसिद्ध पर्यटन केंद्र है तो वहीं दूसरी तरफ यहां वन्यजीवों से भरपूर राष्ट्रीय उद्यान है, जिसकी बखूबी सुंदरता देखने को मिलती है धार्मिक पर्यटन के लिहाज से अगर देखा जाए तो छत्तीसगढ़ प्रदेश एक विविधता पूर्ण प्रदेश है एक तरफ कुनकुरी में एशिया का दूसरा सबसे बड़ा चर्च है तो वही रतनपुर के मंदिर एवं रायपुर के कौशल्या माता मंदिर विश्व प्रख्यात है, चित्रकूट, मैनपाट का जल प्रापत एवं कवर्धा का

The Asian Thinker

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

खजुराहो यहां प्रसिद्ध है. छत्तीसगढ़ प्रदेश अपने विविधता पूर्ण स्थलों के कारण राष्ट्रीय ही नहीं अपितु अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों और तीर्थ यात्रियों का आकर्षण केंद्र है.

अतः हम कह सकते है की छत्तीसगढ़ का वातावरण स्वच्छ, हरा-भरा एवं प्रदुषण रहित होगी और अच्छी सड़के और यातायात होगी तो राज्य और देश का ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटकों की भी वृद्धि हगी जिससे न सिर्फ विदेशी मुद्रा भंडारण में वृद्धि होगी बल्कि साथ ही स्थानीय स्तरों पर रोजगार में वृद्धि एवं आस-पास के लोगो की समृद्धि भी होगी. इस सभी से प्रदेश में पर्यटन विकास की आपर संभावनाएं है जो विश्व के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है.

पर्यटन क्षेत्र का आर्थिक योगदान

पर्यटन क्षेत्र का विकास मनुष्य के विकास के साथ ही शुरू हो गया था. अनेक ऐसे पर्यटन क्षेत्र हैं जिसमें हम आर्थिक योगदान को देखते हैं, जिसमें सर्व प्रमुख शिक्षा, खेल, चिकित्सा, व्यवसाय, इन सभी के लिए जब पर्यटक एक स्थान से दूसरे स्थान को जाता है और अपनी आवश्यकताओं को पूरी करता है उस दौरान वहां उस स्थान में अपना पैसा खर्च कर चुका होता है. इन भ्रमण गतिविधियों से मुख्य स्थान से हटकर उनके दुर्गम मार्गों में स्थित स्थान के स्वामियों तथा स्थानीय लोगों को पर्याप्त आय की भी प्राप्ति हो जाती है. जैसे-जैसे समय बीतता जाता है. पर्यटन के अनेक क्षेत्रों में आगंतुकों की संख्या में बढ़ोतरी होते जाती है और धीरे-धीरे वह स्थान बहुत ही प्रसिद्ध (पॉपुलर) या आकर्षण का केंद्र हो जाता है.

इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि पर्यटन के निम्नलिखित प्रमुख पक्ष है जैसे:-

- अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर जाकर भ्रमण करना.
- पर्यटन क्षेत्र पर जाकर अपना समय व्यतीत करना.
- अपने पर्यटन के दौरान या उस अवधि में किया गया व्यय जो आर्थिक योगदान को बताता है.

इससे सीधा अर्थ यह निकलता है कि पर्यटकों द्वारा किए जाने वाले व्यय या निवेश है जो आर्थिक योगदान से सम्बंधित है. जिसमें पर्यटन स्थल, आय का सृजन करता है. इससे पर्यटक अपने पर्यटन स्थलों में बुनियादी सुविधाएँ जैसे:- परिवहन, आवास, भोजन व अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पैसा खर्च करने से नहीं कतराता है.

यह आर्थिक समस्सया पर्यटकों द्वारा दी जाने वाली मुद्रा से सुविधाओं को उपलब्ध कराने वालों को आय के रूप में प्राप्त होती है. अतः हम कह सकते हैं कि पर्यटकों का आगमन संबंधित स्थान में आय का सृजन करती है, अतः यह निवेश पूंजी प्राप्ति में वृद्धि करता है. ऐसे ही प्रदेश के अनेक छोटे-छोटे जिलों में आय प्राप्ति का मुख्य साधन पर्यटन है, तथा अन्य शेष प्रदेशों में अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जहां निवासियों का जीवो कोपार्जन का मुख्य साधन पर्यटकों द्वारा किया

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

जाने वाला निवेश है यही कारण है कि आज पूरे संसार में सभी देशों में पर्यटकों का मार्गदर्शन व उच्च स्तरीय सुविधाओं के विकास को राजकीय कोष को व्यवसायिक रूप में सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किया जा रहा हैं.

पर्यटन उद्योग में मीडिया की भूमिका

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक पहल मीडिया की भी होती है जो किसी भी राज्य के अर्थव्यवस्था में पर्यटन के योगदान का सही आकलन की व्याख्या करने और उस क्षेत्र के आकर्षक केन्द्रों को बहुत ही प्रभावी ढंग से अखबारों में स्थान देता है. ऐसे पर्यटन सम्बन्धी अनेक समस्याएं और सीमाएं विद्यमान हैं, उनके बावजूद भी प्रत्येक अर्थव्यवस्था में पर्यटन का विकास अत्यंत आवश्यक है जिसे समाचार पत्र समय-समय पर बखूबी प्रेषित करती है.

यह पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि पर्यटन के कारण प्रदेश में परिवहन, आवास और भोजन जैसी आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने से संबद्ध व्यक्तियों की आय बढ़ जाती है. पर्यटन उद्योग में सर्वप्रथम प्रदेश में आय और रोजगार के स्तर में वृद्धि करता है, इसके अतिरिक्त मार्गदर्शन (गाइड), फोटोग्राफर और फोटोग्राफी से संबंधित वस्तुओं के विक्रेताओं को पिक्चर, पोस्टकार्ड, कलात्मक सजावटी, शिल्प कला धातु और वस्तुओं, पारस्परिक वेस्टन कपड़े पारंपरिक वेस्टन आभूषणों तथा इसी प्रकार के अन्य वस्तुओं के उत्पादन और विक्रय से जुड़े व्यक्तियों की आय की बढ़ोत्तरी में अखबारों का महत्वपूर्ण योगदान होता है.

पर्यटन के विकास से रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होते है, रोजगार के अवसर पर्यटन से जुड़ी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार की क्रियाओं का विस्तृत वर्णन करता है. इसलिए प्रत्येक 10 रोजगार अवसरों में से एक पर्यटन उद्योग द्वारा सूचित किया जाता है. इसको मीडिया प्रोत्साहित करती है और स्थानीय प्रदेश के लोगों को उसके बारे में जानकारी ही नहीं देती बल्कि वहां के स्थानीय लोगो की रोजगार या स्वरोजगार करने के लिए अपने मानसिकता को दृढ व स्थाई रूप से पर्यटन क्षेत्र पर काम करने के लिए मन परिवर्तन करने में सहायता प्रदान करती हैं. क्योंकी वह इनसे सम्बंधित सूचना को हर पाठकों व हर दर्शकों तक बहुत ही प्रभावी ढंग से सूचनाओं से अवगत कराती है.

पर्यटन उद्योग की समस्याएं

छत्तीसगढ़ का पर्यटन स्थल शहरों से दूर गाँव या कस्बों में स्थित है वहां के लोगों में शैक्षणिक योग्यताएं बहुत कम या ना के बराबर देखने को मिलती है. जिसके कारण वे परिवर्तन से बचते है और बदलाव को आसानी से स्वीकार नहीं करते है. इसमें से कुछ ग्रामीण रीती-रिवाज है तो कुछ कुरीतियाँ भी है इसीलिए जन जागरूकता में कमी देखने को मिलती है यही कारण है की पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने में बाधा आती है. जैसे अनेक समस्याएं हम निचे देख सकते है:-

Year-5 Volume: III, July-September, 2023 Issue-19 ISSN: 2582-1296 (Online)
The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Website: www.theasianthinker.com Email: asianthinkerjournal@gmail.com

- पर्यटन क्षेत्र में ऐसे कई जगह है जो रोजगार के लिए सबसे बड़ी बाधक होती है क्योंकि जहां विकासित होने के बजाय इनको अनदेखा कर दिया जाता है। यह भी कह सकते हैं कि यह पर्यटन स्थलों के समीप विकासशील पर्यटन स्थलों की अनदेखी होती है।
- पर्यटन क्षेत्र पर या (स्थलों पर) पर्याप्त सुविधाओं का अभाव देखने को मिलती है।
- राज्य सरकार को पर्यटन क्षेत्रों के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा तब कहीं जाकर पर्यटन स्थलों की समस्याओं को ठीक कर सकते हैं या इस पर ध्यान देना आवश्यक है।
- इसके अलावा यहां के लोगों के सामान्य स्वभाव एवं सीधे-साधे स्वभाव के कारण उन्हें पर्यटकों द्वारा किए गए गंदगी का सामना करना पड़ता है।
- यहां जागरूकता की कमी के कारण लोग खाली बोतल, प्लास्टिक पेपर व अन्य सामग्रीयों को इस स्थान पर ही छोड़ आते हैं या गंदगी फैला के चले जाते हैं जो वहां की स्वच्छता को प्रभावित करता है जो ठीक नही हैं।
- पर्यटन क्षेत्रों में अक्सर यह देखा गया है की खाने-पिने की उत्तम व्यवस्था का आभाव होता है और अगर व्यवस्थाएं है भी तो वह पर्यटन स्थल से कहीं कोसो दूर और महँगी भी होती है.जो कहीं न कहीं अव्यवस्था को दर्शाती है, जिसके चलते आगंतुक ऐसे स्थानों पर जाने से कतराती है.
- साथ ही ऐसे कई सार्वजनिक सुविधाओं का अभाव है जो पर्यटन क्षेत्र के विकास में अवरुद्ध पैदा करते हैं।
- पर्यटन स्थित, आस-पास के रहने वाले लोगों में शिक्षा एवं कौशल की कमी देखने को मिलती है।

पर्यटन उद्योग के लिए किए जा रहे हैं समाधान:

- शासन द्वारा एवं स्थानीय लोगों के द्वारा किया गया प्रयास पर्यटन के क्षेत्र में विकास ला सकता है.
- इसके साथ-साथ पर्यटन स्थित क्षेत्र में विकासशील पर्यटन स्थलों पर भी ध्यान देने से पर्यटन व रोजगार की संभावनाएं बढ़ जाएगी।
- संचार माध्यमों के द्वारा उचित प्रबंधन व जन जागरूकता को बढ़ावा देना आवश्यक है।
- इसके अतिरिक्त पर्यटन क्षेत्र में दुर्गम मार्गों को सुगम बनाया जा सकता है।
- पर्यटकों के लिए सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सकती है। जैसे: सुलभ शौचालय, कचरे की पेटी, पार्क में झूले, खाने-पीने की व्यवस्थाएं एवं ठहरने की व्यवस्था से लेकर पर्यटन क्षेत्र में विकास की संभावनाएं बढ़ जाएगी।

The Asian Thinker

- ऐसे पर्यटन क्षेत्रो का प्रचार-प्रसार तकनीकी संचार के माध्यमों से किया जा सकता है, जो आज आवश्यक बन गया है। क्योंकि यह आर्थिक स्थिति को मजबूती देने में सहायक सिद्ध होगी।
- कृत्रिम पर्यटन क्षेत्र का निर्माण किया जा सकता है जिससे मनोरंजन के साधनों के निर्माण से पर्यटकों का ध्यान आकर्षित किया जा सकता है।
- पर्यटन स्थलों के विकास के लिए प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रबंधन के लिए उचित नियोजन की आवश्यकता है।
- पर्यटन स्थलों के विकास के लिए राज्य शासन के अलावा निजी कार्पोरेट सेक्टरों का भी सहयोग लिया जा सकता है जिससे आर्थिक स्थिति ठीक हो सकती है।
- स्थानी लोगों में मानव मूल्य, शैक्षणिक स्तर, कौशल स्तर एवं नैतिकता के गुणों का विकास करने से पर्यटकों के लिए अच्छा माहौल पैदा होगा एवं आवागमन में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी यदि उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रशस्त किया जाए तब।
- पर्यटन को बढ़ावा देने के लिय समाचार पत्र-पत्रिकाओं में ज्यादा से ज्यादा विज्ञापन देने की आवश्यकता है.

निष्कर्ष

निष्कर्ष के तौर पर हम देखते हैं कि पर्यटन बोर्ड को इस बात पर विशेष ध्यान देना होगा कि वह पर्यटकों की इच्छाओं के अनुरूप ही सुविधाओं का निर्माण करे तथा पर्यावरण के अनुकूल हो, साथ ही जो सुविधाएं जैसे लाज, होटल-मोटल, गेस्ट हाउस आदि का निर्माण कराया गया है उनका रखरखाव की व्यवस्था अच्छे तरीके से करें ताकि आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधा प्राप्त हो सके. पर्यटन बोर्ड को ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार करने की आवश्यकता है ताकि पर्यटक उस क्षेत्र में जाने के लिए आकर्षित हो.

छत्तीसगढ़ पर्यटन को भी देश एवं विदेश में एक पर्यटक ब्रांड बनाना चाहिए. इसके साथ ही अन्य राज्यों की तरह छत्तीसगढ़ राज्य की पर्यटन क्षेत्र की सौंदर्यता को हम देख सकते हैं. जैसे:- एक ताजमहल आगरा विश्व प्रसिद्ध हो गया है। वैसे ही आज छत्तीसगढ़ में भी ऐसे अनेक स्थल हैं जो अच्छे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने की योग्यता रखते हैं।

इसके अतिरिक्त राज्य शासन द्वारा पर्यटकों को विशेष सुविधा मुहैया कराए जाने चाहिए तथा संचार एवं सूचना तकनीकी में विस्तार किया जाना चाहिए जिससे कि छत्तीसगढ़ पर्यटकों की आकर्षण का केंद्र बन जाए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि छत्तीसगढ़ में उपलब्ध युवा शक्ति तथा पर्यटन स्थलों की विविधता को देखते हुए 21वीं

The Asian Thinker

सदी में उभरने की पूर्ण संभावना है। जिसके परिणाम स्वरुप आने वाले वर्षों में पर्यटन उद्योग राज्य के आर्थिक विकास के साथ-साथ उसके सामाजिक तथा सांस्कृतिक ऐतिहासिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इसी प्रकार के बहुत से पर्यटन स्थल ऐसे है जिसे पिकनिक स्पॉट और पर्यटन स्थलों में यदि विकास होगा तो वहां के स्थानीय क्षेत्र लोगों के लिए रोजगार उपलब्ध होने की संभावनाएं बढ़ जाएगी इसके लिए राज्य सरकार एवं सेवा कार्य में लगे संस्थाओं द्वारा पर्यटकों के लिए समुचित व्यवस्था व प्रबंधन से पर्यटन क्षेत्र में विकास एवं रोजगार की गति में वृद्धि मिलेगी। आज पर्यटन के विकास हेतु व्यवहारिक तथा दीर्घकालीन नीति का निर्माण कर इस पर ईमानदारी से कार्यवाही करने की सख्त आवश्यकता है ताकि राष्ट्र के सामाजिक और आर्थिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दे सके.

जानकारी के अनुसार पर्यटन क्षेत्र और नए पर्यटन क्षेत्र में संचालित प्रतिष्ठित होटल, टूर एंड ट्रेवल्स एजेंसी में कार्य मिलने की संभावना की खबरें जो बताई जाती है, इसके साथ ही होटल में बेलबॉय, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, फ्रंट ऑफिस, हाउसकीपिंग, सिक्योरिटी गार्डनिंग, रिसेप्शनिस्ट अकाउंट, पियून, सोशल मीडिया मार्केटिंग से संबंधित इत्यादि कार्य की जानकारी जब पाठकों को दी जाती है तब इससे मिली जानकारी के अनुसार आस-पास के पूंजीपति लोग या मध्यम वर्गीय परिवार स्वरोजगार की सहायता लेते हैं जिससे राज्य की बेरोजगारी दर में भी कमी आती है सभी की जानकारी को पर्यटन के क्षेत्र से जुड़े हुए रोजगार के सभी पहलुओं को समाचार पत्र पाठक तक सफलतापूर्वक जानकारी प्रदान करता है आज प्रिंट मीडिया बखूबी तरीके से चाहे वह नकारात्मक हो या सकारात्मक सभी प्रकार की सूचनाओं को पाठको तक पहुंचा रही है.

सन्दर्भ सूची

- संजय त्रिपाठी एवं श्रीमती चन्दन त्रिपाठी, छत्तीसगढ़ वृहद सन्दर्भ, उपकार प्रकाशन.
- पर्यटन विकास .(2021) ,संचालन और स्थिति अध्ययन ,उत्पादन:श्री चक्रधर पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड.
- कुमार, डॉ. प्रदीप, (2007). पर्यावरण प्रदुषण, डिस्कवरी पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली.
- शुक्ला, डॉ. प्रदीप एवं पाण्डेय सीमा. छत्तीसगढ़ में पर्यटन, वैभव प्रकाशन, रायपुर.
- छत्तीसगढ़ टूरिस्टरोड एटलस एवं राज्य की दुरी मार्गदर्शिका, प्रकाशन INDIAN MAP SERVICE.
- डॉ. आशु जैन, (2016), भारत के पर्यटन उद्योग की संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ, स्वरुप बुक पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली.
- https://olddpr.cgstate.gov.in/post
- https://www.jagran.com

The Asian Thinker

- https://tourismindia256.blogspot.com/2020/06/blog-post.html?m=1
- https://tourism.gov.in/hi/hamaarae-baarae-maen/bhaarata-parayatana-vaikaasa-naigama-aitaidaisai
- https://www.chhattisgarhtourism.in/

The Asian Thinker